

भारत के सकल घरेलू उत्पाद डेटा से संबंधित चर्चाएँ

प्रलिस के लिये:

[GDP \(सकल घरेलू उत्पाद\)](#), सकल स्थरि पूंजी नरिमाण, [करय परबंधक सूचकांक](#), [बैंक ऋण वृद्धि](#), [औद्योगिकि उत्पादन सूचकांक \(IIP\)](#)।

मेन्स के लिये:

भारत के GDP डेटा से संबंधित चर्चाएँ, भारत में GDP के लिये गणना के तरीके।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वित्त मंत्रालय ने भारतीय [GDP \(सकल घरेलू उत्पाद\)](#) डेटा की विश्वसनीयता के संबंध में चर्चाओं को संबोधित किया है, विशेष रूप से वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तमाही में 7.8% की वृद्धि के आलोक में।

- कई विशेषज्ञों ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों में वसिंगतकी ओर इशारा किया है, जो बलिबोर्ड पर आर्थिक विकास की सकारात्मक छवि को प्रस्तुत करते हैं, जबकि बढ़ती असमानताएँ, रोज़गार की कमी और वनरिमाण रोज़गार में गरिावट जैसे अंतरनहिति मुद्दे लगातार बने रहते हैं।

GDP आँकड़ों के संबंध में चर्चाएँ:

- GDP गणना में वसिंगतयिँ:**
 - सकल घरेलू उत्पाद व्यय घटकों के विश्लेषण से एक चर्चाजनक प्रवृत्तिका पता चलता है जहाँ सकल घरेलू उत्पाद के प्रतशित के रूप में अधिकांश तत्त्वों में कमी आई है।
 - इसमें नजी खपत, सरकारी खर्च, कीमती वस्तु और नरियात शामिल हैं।
 - आयात में थोड़ी वृद्धि हुई है, जबकि सकल स्थरि पूंजी नरिमाण (परसिंपत्तयिँ में नविश) और स्टॉक में परविरतन (इन्वेंट्री परविरतन) स्थरि बने हुए हैं।
 - इसलिये, GDP गणना में एक अस्पष्ट अंतर दिखाई देता है, जो रपिीरट कयि गए आर्थिक आँकड़ों की सटीकता पर सवाल उठाता है।
- दोहरी GDP गणना के तरीके:**
 - भारत की GDP की गणना दो अलग-अलग तरीकों का उपयोग करके की जाती है: आर्थिक गतविधि (कारक लागत पर) और व्यय (बाज़ार कीमतों पर)।
 - कारक लागत पद्धति आठ वभिन्नि उद्योगों के प्रदर्शन का आकलन करती है।** इस लागत में नमिनलखिति आठ उद्योग क्षेत्रों पर वचार कयि जाता है:
 - कृषि, वानकी, और मत्स्य पालन,
 - खनन एवं उत्खनन,
 - उत्पादन,
 - बजिली, गैस, जल आपूर्ति, और अन्य उपयोगिता सेवाएँ,
 - नरिमाण,
 - व्यापार, होटल, परविहन, संचार और प्रसारण,
 - वतितीय, रयिल एस्टेट और पेशेवर सेवाएँ,
 - लोक प्रशासन, रक्षा, और अन्य सेवाएँ
 - व्यय-आधारित पद्धति** इंगति करती है कि अर्थव्यवस्था के वभिन्नि क्षेत्र कौसा प्रदर्शन कर रहे हैं, जैसे व्यापार, नविश और व्यक्तगित खपत।
 - इन तरीकों के बीच अंतर से **GDP आँकड़ों में भनिता हो सकती है।**

Statement 2: Quarterly Estimates of Expenditure Components of GDP for Q1 (April-June) 2023-24
(at 2011-12 Prices)

Expenditure Components [#]	(₹ Crore)				
	April-June (Q1)			Share in GDP (%) [#]	
	2021-22	2022-23	2023-24	2022-23	2023-24
1. Private Final Consumption Expenditure (PFCE)	1,822,102	2,182,357	2,312,601	58.3	57.3
2. Government Final Consumption Expenditure (GFCE)	403,808	411,243	408,300	11.0	10.1
3. Gross Fixed Capital Formation (GFCF)	1,077,836	1,297,588	1,400,832	34.7	34.7
4. Changes in Stocks (CIS)	28,895	31,050	32,256	0.8	0.8
5. Valuables	22,035	34,959	27,633	0.9	0.7
6. Exports	765,031	915,111	844,252	24.4	20.9
7. Imports	749,401	1,001,571	1,102,748	26.7	27.3
8. Discrepancies	-59,256	-126,452	114,019	-3.4	2.8
GDP	3,311,050	3,744,285	4,037,144	100.0	100.0
GDP (Percentage change over previous year)		13.1	7.8		

@ GDP (Production/Income Approach) = GVA at Basic Price + Net Taxes on Product

Following Expenditure Approach, GDP = PFCE + GFCE + GFCF + CIS + Valuable + Export - Import. Discrepancy refers to gap between GDP (Production/Income Approach) and GDP (Expenditure Approach)

//

■ सार्वजनिक धारणा पर प्रभाव:

- वर्षिषज्ज चर्चा व्यक्त करते हैं कि GDP आँकड़ों के माध्यम से आर्थिक विकास की अत्यधिक सकारात्मक छवि प्रस्तुत करने से आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से के सामने आने वाले आर्थिक संघर्ष और चुनौतियाँ छिपी सकती हैं।
- संभवतः इससे जनता की धारणा और नीतिगत निर्णय प्रभावित हो सकते हैं।

■ पुराने डेटा सेट और वलिंबति जनगणना:

- पुराने डेटा सेट का उपयोग GDP की गणना में प्रमुख चर्चाओं में से एक है, जो वर्तमान आर्थिक परिदृश्य को सटीक रूप से प्रतबिंबित नहीं कर सकता है।
- इसके अतिरिक्त, जनगणना के संचालन में देरी आर्थिक आकलन में संभावित अशुद्धियों में योगदान करती है।
- उपयोग की जाने वाली तकनीकों द्वारा जटिल और गतिशील आर्थिक परिदृश्य को सटीकता से प्रतबिंबित किये जाने को लेकर चर्चाएँ व्याप्त हैं, इससे वकित GDP अनुमान प्राप्त होते हैं।

■ सरकारी हस्तकषेप का आरोप:

- GDP आँकड़ों की गणना और जारी किये जाने की प्रक्रिया में सरकारी हस्तकषेप संबंधी आरोप देखने को मिले हैं।
- वर्षिषज्जों को चर्चा है कि राजनीतिक प्रभाव का आर्थिक डेटा के प्रस्तुतिकरण पर प्रभाव पड़ सकता है, ऐसे में यह इसकी सटीकता तथा विश्वसनीयता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

वर्षिषज्जों द्वारा उठाए गए मुद्दों का सरकार द्वारा समाधान:

■ भारतीय जी.डी.पी. डेटा की विश्वसनीयता:

- वर्तित मंत्रालय ने भारतीय जी.डी.पी. डेटा के विश्वसनीयता संबंधी संदेह से इनकार करते हुए स्पष्ट कया कि इसे वार्षिक रूप से समायोजित नहीं कया जाता है, बल्कि इन डेटा को तीन वर्ष बाद अंतिम रूप दिया जाता है।
- इसका तात्पर्य यह है कि अंतरनहिति आर्थिक गतिविधि का आकलन करने के लिये केवल जी.डी.पी. संकेतकों पर निर्भर रहना भ्रामक है।

■ व्यापक विश्लेषण की आवश्यकता:

- मंत्रालय ने आलोचकों से आर्थिक गतिविधि के संदर्भ में एक समग्र दृष्टिकोण बनाने के लिये **प्रबंधक सूचकांक**, बैंक क्रेडिट वृद्धि और उपभोग पैटर्न जैसे विभिन्न विकास संकेतकों पर विचार करने का आग्रह कया।

■ विकास संबंधी आँकड़ों का नमिन आकलन:

- औद्योगिक उत्पादन सूचकांक** (Index of Industrial Production- IIP) एक उदाहरण है, जहाँ वनिरमाण क्षेत्र में रपिर्ट की गई वृद्धि कंपनियों द्वारा दर्शाए गये डेटा से अलग हो सकती है। इसका हवाला देते हुए मंत्रालय ने तर्क दिया कि भारत के विकास संबंधी आँकड़े संभावित रूप से आर्थिक वास्तविकताओं को गलत तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं।

- **सांकेतिक बनाम वास्तविक जी.डी.पी. वृद्धि:**
 - वास्तविक जी.डी.पी. वृद्धि की तुलना में सांकेतिक जी.डी.पी. वृद्धि कम होने को लेकर चर्चाओं पर विचार करते हुए मंत्रालय ने बताया कि **थोक मूल्य सूचकांक (WPI)** द्वारा चालति भारत के **जी.डी.पी. इंडेक्स** पर विभिन्न कारकों पर पड़ने वाला प्रभाव आगामी महीनों में सामान्य हो जाएगा।
- **जी.डी.पी. गणना के लिये आय आधारित दृष्टिकोण का उपयोग:**
 - मंत्रालय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि **जी.डी.पी. वृद्धि की गणना के लिये भारत आय आधारित दृष्टिकोण का उपयोग** करता है और अनुकूलता को देखते हुए इस दृष्टिकोण में कोई बदलाव नहीं करता है। **यह सांकेतिक जी.डी.पी. वृद्धि का समर्थन करने वाले तर्कों को खारिज करता है।**

सकल घरेलू उत्पाद (GDP):

- **परिचय:**
 - यह एक विशिष्ट अवधि, आमतौर पर एक वित्तीय वर्ष के लिये देश की सीमा के भीतर उत्पन्न सभी वस्तुओं और सेवाओं का सकल मूल्यांकन है।
 - **किसी देश के विकास और आर्थिक प्रगति की पहचान उसकी जी.डी.पी. से की जा सकती है।**
 - एक तमिाही में सकल घरेलू उत्पाद की प्रतित वृद्धि को अर्थव्यवस्था की मानक वृद्धि माना जाता है।
 - **अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund- IMF)** की रिपोर्ट के अनुसार **वर्ष 2023 में सांकेतिक जी.डी.पी. के आधार पर भारत विश्व के शीर्ष 10 देशों में शामिल है।**
- **GDP के प्रकार:**
 - **वास्तविक GDP:**
 - इसे **आधार वर्ष के आधार पर मापा जाता है।** इसे मुद्रास्फीति के साथ समायोजित किया जाता है और इसलिए इसे **इन्फ्लेशन कोररेक्टेड सकल घरेलू उत्पाद** अथवा वर्तमान मूल्य के रूप में भी जाना जाता है।
 - उदाहरण के लिये, **भारत की वास्तविक जी.डी.पी. की गणना के लिये आधार वर्ष 2011- 12 है।** पहले यह वर्ष 2004-05 हुआ करता था।
 - ऐसा माना जाता है कि यह जी.डी.पी. का अधिक सटीक चित्रण है क्योंकि यह **आधार वर्ष के लिये निर्धारित मूल्य के समायोजन के बाद प्रत्येक नविसी की वास्तविक आय को प्रदर्शित करता है।**
 - **मौद्रिक GDP:**
 - मौद्रिक GDP का आकलन **प्रचलित बाजार कीमतों** का उपयोग करके किया जाता है और इसमें मुद्रास्फीति अपस्फीति पर विचार नहीं किया जाता है।
 - सरकार के दृष्टिकोण से **मौद्रिक GDP आर्थिक विकास का अधिक सटीक प्रतिति है** क्योंकि यह नागरिकों को सीधे प्रभावित करता है।
- **GDP की गणना:**
 - **व्यय वधि:** यह दृष्टिकोण **किसी अर्थव्यवस्था में सभी व्यक्तियों** द्वारा वस्तुओं और सेवाओं के लिये किये गए कुल व्यय पर **केंद्रित** है।
 - GDP (व्यय पद्धति के अनुसार) = $C + I + G + (X-IM)$
 - जहाँ, C: उपभोग व्यय, I: निवेश व्यय, G: सरकारी व्यय और (X-IM): निर्यात और आयात का अंतर, अर्थात् शुद्ध निर्यात है।
 - **निरगत वधि:** इस दृष्टिकोण का उपयोग किसी देश में उत्पादित सभी सेवाओं और उत्पादों के बाजार मूल्य को निर्धारित करने के लिये किया जाता है।
 - यह वधि मूल्य स्तर में उतार-चढ़ाव के कारण GDP माप में **किसी भी अंतर को समाप्त करने में सहायता** करती है।
 - **आय पद्धति:** यह दृष्टिकोण किसी देश की सीमाओं के भीतर उत्पादन के विभिन्न कारकों, जैसे पूंजी और श्रम, द्वारा **अर्जित सकल आय पर विचार** करता है।
 - यह कंपनियों द्वारा अपने कार्यबल पर किये गए **व्यय का योग** है।
 - इस दृष्टिकोण के आधार पर गणना की गई GDP को GDI या सकल घरेलू आय के रूप में जाना जाता है।
 - GDP (आय वधि के माध्यम से) = मज़दूरी + करिया + ब्याज + लाभ



Ways To Calculate Gross Domestic Product (GDP)

Expenditure Method

Consumption
+
Investment
+
Government
+
Net Exports

Income Method

Wages
+
Rental rate on
Capital
+
Profits

Production Method

Final value of all goods
and services
+
Intermediate
Costs





Ways To Calculate Gross Domestic Product (GDP)

(How India does it)

Expenditure method

Private consumption
+
Gross investment
+
Government spending
+
Net exports
(total exports - total imports)

Value Addition Method

Final value of all goods
and services
-
Intermediate
costs

*GDP Indicates, Capacity and Efficiency of Economy
*In India, GDP estimates are prepared every Quarter



GDP की सीमाएँ:

- GDP में गैर-बाज़ार लेनदेन शामिल नहीं हैं जो उत्पादकता पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं, जैसे घरेलू, स्वैच्छिक या अन्याय भागीदारी। साथ ही यह नज़ी उपभोग के लिये उत्पादित वस्तुओं पर भी आधारित नहीं है।
- भारत उन देशों में से एक है जहाँ असमान आय वितरण इसकी अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख वसिंता है। GDP इसे प्रतबिबिति नहीं करता है।
- किसी देश के जीवन स्तर का निर्धारण उसकी GDP से नहीं किया जा सकता। भारत इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। इसकी GDP तो उच्च है लेकिन जीवन स्तर अपेक्षाकृत नमिन है।
- सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि GDP यह नहीं दर्शाता है कि उद्योग पर्यावरण और सामाजिक कल्याण को किस प्रकार प्रभावित करते हैं।
 - सरकार ने इस मुद्दे के समाधान के लिये [हरित सकल घरेलू उत्पाद \(गरीन GDP\)](#) लॉन्च किया।

नषिकर्ष:

- वलतत मंत्रालय ने आर्थक गतवलधररररर का वुडडक दृषुकुण बनाने के लरर वडरनरनआर्थक संकेतकों और उऑऑ आवृतुत डेटा पर वऑर करने के महतुत पर वशरष बल दडर।
- इसने आलुऑकों से डेटा का ऑयनतुतडक उडडुग करने से बऑने और डररतीड अर्थवुडवसुथर की गहन सडडु बनरए रखने का आगुरह कडर।

UPSC सवलर सेवा डरीकुषर, वगत वरुष के डुरशुन

डुरशुन. डररतीड अर्थवुडवसुथर के संदरुड डें नडरनलखरतुत कथनरं डर वऑर कीऑरर: (2015)

1. डरररले दशक डें वरसुतवकुर सकल घरेलू उतुडरड की वृदुध-दरर लगरतर बढुती रहर डै।
2. डरररले दशक डें डरऑर कीडतरं डर (रुडररुं डें) सकल घरेलू उतुडरड लगरतर बढुतर रहर डै।

उडररुडुकुत कथनरं डें से कुन-सर/से सहर डै/डै?

- (a) कुवल 1
- (b) कुवल 2
- (c) 1 और 2 दुनुं
- (d) न तु 1 और न हर 2

उतुतर: (b)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/concerns-related-to-india-s-gdp-data>

